वर्ष :: 33 अंक : 02
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 09 अक्टूबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

औद्योगिक अगुवा बनेगा बोकारो

>> इस्पातनगरी के विकास में जुड़ेंगे कई नए आयाम

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : एशिया महादेश के सबसे बड़े इस्पात कारखाने वाली नगरी बोकारो के विकास में आने वाले दिनों में कई नए आयाम जुड़ने वाले हैं। यहां इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाए जाने की योजना का बीजारोपण होने के साथ ही विकास की एक नई इबारत लिखने की कवायद तेज हो चुकी है। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत यहां क्लस्टर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और सब कुछ ठीक-ठाक रहा, तो पहले से उद्योग-संपन्न बोकारो जिला आने वाले दिनों में झारखंड का औद्योगिक अगुवा बनेगा। इससे निश्चय ही प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों-हजार लोगों को रोजगार मिलेंगे और बोकारो के साथ-साथ झारखंड के विकास में भी कई नए अध्याय जुड़ जाएंगे। खास बात यह है कि इस नई कड़ी की शुरूआत सेल-बोकारो स्टील की मदद से ही होने जा रही है। बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर बनाने के लिए सेल-बीएसएल द्वारा 700 एकड़ जमीन दी जाएगी। बीते दिनों सरकार के एक विशेष दल ने इसके लिए यहां आकर न केवल उच्चस्तरीय बैठक में रणनीति और रूपरेखा तैयार की, बल्कि प्रस्तावित स्थलों का भौतिक रूप से निरीक्षण भी किया। टीम में राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर के प्रबंध निदेशक सह भारत सरकार के विशेष सचिव अमृतलाल मीणा, इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव अभिजीत नारायण, राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर के परियोजना निदेशक अजय शर्मा, प्रबंधक नीरज कुमार और राज्य सरकार की ओर से भू-अर्जन विभाग के निदेशक उमाशंकर सिंह मुख्य रूप से शामिल थे। इस दौरान बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश, बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी सहित जिला प्रशासन व बोकारो स्टील प्रबंधन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

यहां सबसे बेहतर संसाधन : मीणा

विशेष सचिव अमृत लाल मीणा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए पर्याप्त एवं अनुकूल सुविधाएं हैं। सभी संसाधन भी हैं। खास बात यह है कि पानी और जमीन यहां उपलब्ध है, जो सबसे बेहतर है। यहां इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए उपयुक्त जगह है। सभी चीजें पॉजिटिव हैं। यहां अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत बोकारो में औद्योगिक उत्पादन को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि देशभर में अमृतसर से कोलकाता तक कुल 7 राज्यों में औद्योगिक उत्पादन नोड बनाने का निर्णय लिया गया है। यहां बड़े-बड़े उद्योगों की उत्पादन यूनिट लगेगी। कई जगहों में काम शुरू हो गया है। इनमें एक बोकारो भी शामिल है। विशेष सचिव ने बताया कि देश के कई जगहों में इसका काम चल रहा है। पूर्वी राज्यों में कॉरिडोर बनाने की समीक्षा चल रही थी। इसी के तहत यहां जमीन देखने आए थे। टीम ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से कई जानकारियां ली और अधिकारियों को जमीन संबंधित मामलों को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं, बोकारो निवास में सभी ने अधिकारियों से बैठक कर रणनीति तैयार की और काम करने की रूपरेखा बनाई।

>> इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनने का रास्ता साफ, कवायद तेज

छोटे-बड़े इंटिग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनाए जाएंगे

जानकारी के अनुसार अमृतसर से कोलकाता तक झारखंड समेत सात राज्यों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाया जाना है। इसके तहत छोटे-बड़े इंटिग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य कॉरिडोर के मार्ग के साथ राज्यों में बुनियादी ढांचे और उद्योगों को बढ़ावा देना है। एडीकेआईसी का विकास फ्रेट कॉरिडोर के दोनों ओर 150-200 किमी के दायरे में होना है। क्षेत्र को एकीकृत क्लस्टर (आईएमसी) में 40% क्षेत्र निर्माण और प्रसंस्करण के लिए निर्धारित किया जाएगा। एडीकेआईसी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) और गैर-पीपीपी दोनों का उपयोग करेगा। गैर-पीपीपी योग्य ट्रंक बुनियादी ढांचे को विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) या कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा विकसित किया जाएगा। औद्योगिक केंद्र में सोलर प्लांट लॉजिस्टिक हब एवं इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर निर्मित किए जाएंगे। नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इंप्लीमेंटेशन ट्रस्ट तथा सिडकुल और एनआइसीडीआईटी के साथ एकरारनामा किया गया है। अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, अंबाला, सहारनपुर, दिल्ली, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, गया, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, वर्धमान इस परियोजना में शामिल होंगे। झारखंड में अभी तक फ्रेट कॉरिडोर को लेकर क्लस्टर या अलग कॉरिडोर तय नहीं हो सका है। एकमुश्त बड़े क्षेत्र की रैयती जमीन मिलना मुश्किल हो रहा है। बोकारो एडीकेआईसी के समीप है। बोकारो सेल परिसर में एक मुश्त सरकार द्वारा अधिग्रहित जमीन खाली पड़ी है। औद्योगिक आधारभूत संरचना और औद्योगिक वातावरण उपलब्ध है।

उद्योग-संपन्न जिला है बोकारो

बता दें कि बोकारो जिला पहले से ही उद्योग संपन्न है। सार्वजनिक क्षेत्र में एशिया महादेश का सबसे बड़ा इस्पात कारखाना होने के साथ-साथ यहां डीवीसी, वेदांता इलेक्ट्रोस्टील, ओएनजीसी, सीसीएल, डालमिया सीमेंट के अलावा बोकारो के औद्योगिक क्षेत्र (बियाडा) में कई छोटे-बड़े कल-कारखाने हैं। यहां पहले से ही औद्योगिक परिवेश है। ऐसे में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का बनना यकीनन जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इसके लिए अधिकारियों को जहां संजीदगी के साथ जनसहयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा, वहीं आमलोगों को भी विकास में अपनी भागीदारी निभानी होगी। क्योंकि, विकास में जहां राजनीति का अड़ंगा लगा तो बड़ी से बड़ी परियोजना धरी की धरी रह जाएगी। इतिहास इस बात का प्रमाण भी रहा है।

झारखंड सहित सात राज्यों में बनेगा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

गौरतलब है कि कोलकाता-अमृतसर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट के तहत इसके निर्माण का एक प्रस्ताव तैयार है। उद्योग विभाग ने केंद्र के डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) को पत्र भेजकर बोकारो सेल परिसर की जमीन पर इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद डीपीआईआईटी ने राज्य सरकार से इस मामले में संबंधित पक्षों के साथ बैठक की। राज्य उद्योग विभाग जल्द ही सेल और केंद्र सरकार की बैठक हुई, जिसमें इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाने पर औपचारिक सहमति बनी और उसका स्वरूप तय हुआ। बोकारो सेल परिसर 3300 एकड़ का है। इसमें एक बड़ा भू-भाग अभी भी खाली पड़ा है। खाली पड़े क्षेत्र में ही 700 एकड़ जमीन को चिह्नित किया गया है। अगर यह क्लस्टर बना तो यह राज्य का सबसे बड़ा क्लस्टर होगा और ऐसे में जाहिर तौर पर बोकारो इस मामले में राज्य का कुशल नेतृत्वकर्ता बनेगा।

खुशहाल बोकारो की दिशा में बड़ा कदम : अमरेन्द्र

बोकारो स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त वरीय अभियंता एवं विकासवादी विश्लेषक अमरेन्द्र कुमार झा ने बोकारो में औद्योगिक क्लस्टर का निर्माण खुशहाल बोकारो मिशन की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि बोकारो को देश के सर्वश्रेष्ठ पांच शहरों में शुमार करने का बीएसएल निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश का संकल्प साकार होने ती राह पर अग्रसर दिख रहा है। श्री झा ने कहा कि एम्स की तरह इस परियोजना पर भी कुछ अधिकारियों और नेताओं की गिद्धदृष्टि थी, जो नहीं चाहते थे कि यहां ये प्रोजेक्ट धरातल पर उतरे। लेकिन, अंततः जनता की जीत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप 700 एकड़ में 50 साल आगे के आधुनिक मशीन वर्ल्ड से लगने वाले इंडस्ट्रियल पार्क दूसरे जिला में ले जाने की साजिश चल रही थी। अब खुशहाल बोकारो की आवाज पर प्रधानमंत्री ने इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है, जो यकीनन सराहनीय है। सबसे उपयुक्त और सभी संसाधनयुक्त बोकारो झारखंड का केंद्र बिंदु है। सभी का योगदान बोकारो को पुनः 5 टॉप शहर बनाने की यात्रा में अंकित होगा।

– संपादकीय –

... तो फिर बढ़ेगी महंगाई!

देश में एक बार फिर से महंगाई बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। कच्चे तेल की कीमत पुनः बढ़ने के कारण भारत में महंगाई बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। तेल निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) अपने हर दिन के क्रूड ऑयल के उत्पादन में 2 मिलियन (20 लाख) बैरल की कटौती करने पर विचार कर रहा है। यह समूह जल्दी ही इस कटौती पर चर्चा करने जा रहा है। अगर ऐसा होता है तो भारत समेत दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेजी आ सकती है। हालांकि, वर्तमान में कई देश अपनी क्षमता से कम ईंधन का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए कहा जा रहा है कि इस फैसले का असर उतना व्यापक नहीं होगा, परंतु भारत के बाजार में इसका प्रभाव देखने को मिलेगा, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 70 फीसदी कच्चा तेल ओपेक देशों से ही मंगाता है। इसलिए, त्योहार के बाद भारत में ईंधन की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। उम्मीद की जा रही है ओपेक के फैसले व भारत में दीपावली के बाद तेल के दामों में वृद्धि हो सकती है। इस वृद्धि का असर रोजमर्रा की हर चीजों पर होगा। बेतहाशा से महंगाई से परेशान जनता के सिर पर यह एक और बड़ा चोट साबित हो सकता है। ओपेक देशों पर तेल के लिए निर्भर देशों का मानना है कि उत्पादन में कटौती से नवंबर से तेल की वैश्विक आपूर्ति दो प्रतिशत कम हो जायेगी। इसके कारण आगे चलकर तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। सरकार ने पिछले कुछ समय से ईंधन के खुदरा दाम में बढ़ोतर नहीं की है। खासकर उस समय जब भारत में खुदरा दाम अंतरराष्ट्रीय मूल्य की तुलना में 12 से 14 फीसदी कम थे। इसकी वजह से वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ज्यातर तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को राजस्व का नुकसान हुआ है। जानकारों के मुताबिक, ओएमसी आगे कीमतें कम करने के पहले अपने नुकसान की भरपाई करेंगी। अगस्त से महंगाई दर के आधार का विपरीत असर शुरू हुआ है, इसकी वजह से भी सरकार कीमत बढ़ा सकती है। ज्यादा कीमत होने से स्वाभाविक रूप से तेल की कीमतें बढ़ेंगी, सरकार इसे लागू करने में थोड़ा वक्त लेगी। ओपेक के उत्पादन में बदलाव और उसके असर में सामान्यतया 3 महीने का वक्त है। कीमतों की चाल में सरकार का हस्तक्षेप जारी रहेगा और कीमत में बढ़ोतरी के पहले सरकार राज्य विधानसभा चुनावों समेत कई अन्य गतिविधियों पर नजर रख सकती है। हालांकि, दो राज्यों केचुनाव ज्यादा असर नहीं डालेंगे। तेल उत्पादन करने वाले सभी 13 प्रमुख देशों के संगठन, जिसमें सऊदी अरब, ईरान, इराक, और वेनेजुएला केसाथ अन्य शामिल हैं, के सदस्य वैश्विक तेल उत्पादन का 44 फीसदी उत्पादन करते हैं। 2018 तक के आंकड़ों के मुताबिक मिले तेल भंडारों में 81.5 फीसदी इनके पास हैं। सितंबर में इस समूह ने कच्चे तेल के उत्पादन में अक्तूबर से 1,00,000 बैरल प्रति दिन की कटौती करने की घोषणा की थी। यदि तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो जनता पर सीधा असर होगा। केन्द्र सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

डाकिया डाक लाया...

भारतीय डाक- हमारी धरोहर

150 वर्षों का है गौरवशाली इतिहास

घर के बाहर साइकिल की ट्रिन-ट्रिन करते और 'डाकिया डाक लाया' की आवाज आज भी लोगों की जेहन में गूंज रहे हैं। भले ही संचार की दुनिया आज अत्याधुनिक होकर मोबाइल के माध्यम से हमारी हथेलियों में ही सिमट गई है, परंतु भारतीय डाक की अहमियत पहले भी थी, आज भी है और आगे भी निश्चय ही रहेगी। लगभग 150 साल के गौरवशाली इतिहास वाले भारतीय डाक का भी दायरा आज पहले की तुलना में काफी आगे बढ़ चुका है। तकनीक ने इसे पहले से और ज्यादा वृहत और व्यापक बना दिया है। भारतीय डाक की शुरुआत ब्रिटिश हुकूमत के दौर में हुई थी। डाक सेवा अंग्रेजों ने भारत में शुरू की थी। साल 1766 में लार्ड क्लाइव ने पहली बार भारत में डाक व्यवस्था शुरू की थी। विभाग के रूप में 1 अक्टूबर, 1854 में इसकी स्थापना की गई। भारत का पहला डाकघर कोलकाता में साल 1774 को वारेन हेस्टग्सि द्वारा स्थापित किया गया, जिसके बाद सन 1786 में मद्रास में डाकघर का निर्माण हुआ। सन् 1793 में बम्बई प्रधान डाकघर की स्थापना हुई। 1863 में रेल डाक सेवा का प्रारंभ हुआ।

तकनीकी युग में हम सभी मोबाइल फोन का उपयोग करते है। स्मार्ट फोन मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। साल 2004 तक हर भारतीय डाक विभाग पर निर्भर थे। ऐसे नहीं है कि डाक का अस्तिव समाप्त हो गया। बदलते परिवेश के साथ डाक विभाग में भी बदलाव कर दिए गए है।

पहले पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफाफा का इंतज़ार रहता था। जब से मोबाइल के चलन हुआ पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफाफा का आकर्षण कम हो गया, पर उनका अहसास अपने-आपने में अनूठा होता था। डाक विभाग में अब सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्य होने लगे हैं। जैसे - बैंकिंग कार्य, स्पीड पोस्ट, स्पीड कुरियर, ऑनलाइन मनी ट्रांसफर्र आदि। डाक द्वारा हम पत्र भेजा करते थे और मनीऑर्डर, टेलीग्राम आदि की सहायता लिया करते थे, लेकिन आज के समय में इन्टरनेट, कुरिअर के माध्यम से हम वस्तुओं को भेज सकते हैं व मिनटों में संदेश प्राप्त कर सकते हैं।

डाक का महत्त्व आज भी है और इसी महत्त्व को दर्शाने के लिए प्रत्येक वर्ष डाक दिवस मनाया जाता है। भारतीय डाक के कर्मचारियों को समर्पित करने के लिए यह दिवस प्रत्येक वर्ष 10 अक्तूबर को मनाया जाता है। विश्व में यह डाक दिवस 9 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ग्राहकों को इसके डाक के प्रति जागरूक बनाना है। इस दिन विभाग श्रेष्ठ कार्य करने वाले डाकियों और अफसरों को पुरस्कृत भी किया जाता है। भारत का पिन कोड सिस्टम पिनकोड में पिन पोस्टल इंडेक्स नंबर के जानने के लिए डाले जाते हैं। छह अंकीय पिन कोड प्रणाली को श्रीराम भीकाजी वेलणकर ने 15 अगस्त 1972 को केंद्रीय संचार मंत्रालय में एक अतिरिक्त सचिव द्वारा पेश किया गया था। पिन कोड के पहले अंक में क्षेत्र के निशान हैं। दूसरा अंक उप-क्षेत्र को दिखाता है। तीसरा अंक जिले की पहचान करता है। अंतिम तीन अंक डाकघर को दर्शाते है। इसलिए किसी भी प्रकार के शासकीय या निजी पते पर पिन कोड आवशयक रूप से डाले जाने को कहा जाता है।

भारतीय डाक का महत्व भारत में पहली बार चिट्ठी पर टिकट लगाए जाने की शुरुआत साल 1852 में हुई। इन दिनों महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला टिकट 1 अक्टूबर सन 1854 में जारी किया गया।1880 में मनी ऑर्डर की सेवा शुरू हुई। 1972 में पिन कोड की शुरुआत हुई और 1986 में स्पीड पोस्ट की सेवा प्रारम्भ की गयी। 2000 में ग्रीटिंग पोस्ट की शुरुआत हुई, 2001 में इलेक्ट्रॉनिक फण्ड ट्रान्सफर सेवा शुरू हुई, जिसके बाद से 2002 में इन्टरनेट आधारित ट्रैक एवं टैक्स सेवा की शुरुआत हुई। कुल मिलाकर अब भारतीय डाक एक नए दिशा की ओर अग्रसर है।

– प्रस्तुति : गंगेश

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल है मन-रंजन का घर
हर लेता मन का विषाद हर
जंगल में हैं वृक्ष हजार
पौध, घास, वल्लरियाँ, झाड़
सब आपस में गुथे-गुथे हैं
करते हैं एक-दूजे से सब प्यार... जंगल
चल, जंगल चल, चल जंगल चल।

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में सपने खिलते हैं
जंगल में अपने मिलते हैं
जंगल हम में सद्गुण भरता
जंगल सारे अवगुण हरता
प्रेम-त्याग-सेवा-करुणा और-
सहृदयता का जंगल भंडार...
जंगल चल, जंगल चल, चल जंगल चल।

चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल-चल के जाना है जंगल
मन में भर लाना है जंगल
झूम-झूम के गाते जंगल
दुख में न घबराते जंगल
भले कटे हों पेड़ बहुत-से
आशा है अगली पीढ़ी पर यार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

मंथन... जिले के विकास को नई 'दिशा' देने की कोशिश, अफसरों को मिले निर्देश

योजनाएं सफल बनाने को गुणवत्ता की जांच कराते रहें अधिकारी : सांसद

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : नगर के कैंप-2 स्थित जायका हैपनिंग सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। दिशा की इस बैठक के साथ ही जिले में विकास को नई और सही दिशा देने पर बल दिया गया। बैठक की अध्यक्षता धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह- समिति के अध्यक्ष पशुपतिनाथ सिंह ने की। मौके पर गिरिडीह सांसद सह-समिति उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश चौधरी, डुमरी विधायक सह- स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री जगरनाथ महतो, गोमिया विधायक डा. लंबोदर महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, उपायुक्त सह समिति सचिव कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा, जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, वन प्रमंडल पदाधिकारी ए के सिंह, उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री, अपर समाहर्ता सादात अनवर, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में पिछली बैठक में समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने निर्देशों के अनुपालन की जानकारी समिति के समक्ष रखी, जिस पर समिति सदस्यों ने संतोष जताया। ज्यादातर निर्देशों का अनुपालन विभागों द्वारा कर लिया गया था। कुछ लंबित कार्यों को पूरा करने का समिति ने निर्देश दिया। सांसद सह समिति अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि जिले में संचालित योजनाएं की गुणवत्ता की जांच जरूरी है, ताकि धरातल पर बेहतर कार्य हो सके। उन्होंने उपायुक्त को निर्देश दिया कि तीन से छह माह से संचालित या पूर्ण योजनाओं में से किसी भी पांच योजना को रैंडमली जिले के वरीय पदाधिकारी से जांच कराएं, उसकी गुणवत्ता की पड़ताल करें। जांच प्रतिवेदन को इस बैठक में भी प्रस्तुत करें। इस कार्य को नियमित जारी रखें। कहा कि शिकायत नहीं मिले तो भी जांच करें। इससे बेहतर कार्य होता है।

बैठक में एचएससीएल द्वारा पूर्व में निर्मित सड़कों की जिला स्तरीय समिति से स्थल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति से 15 दिनों में जांच पूरी कर समिति सदस्यों को अवगत कराने को कहा। चंदनकियारी, गोमिया, बोकारो एवं बेरमो विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जर्जर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की मरम्मत/निर्माण कार्य करने को लेकर कार्रवाई करने को कहा।

मेडिकल कॉलेज के भवन-निर्माण को लेकर कवायद जल्द

बैठक में मेडिकल कालेज बोकारो निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। सांसद श्री सिंह ने मेडिकल कालेज के लिए चिन्हित भूमि पर कार्य शुरू करने की कवायद को लेकर गठित समिति के सचिव सह स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार के प्रधान सचिव से पत्राचार करने एवं उपायुक्त को स्वयं संवाद कर समिति की बैठक आहूत करने की बात कही, ताकि भवन निर्माण के लिए विभागों का चयन व जरूरी निर्देश दिया जा सके।

दो माह में जिले में बहाल होंगे 100 चिकित्सक

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में जिले में चिकित्सकों की कमी पर भी चर्चा की गई। सांसद सह समिति अध्यक्ष ने सिविल सर्जन बोकारो से जिले में स्वीकृत चिकित्सकों के पद व उपलब्ध चिकित्सकों की जानकारी ली, जिस पर सीएस ने बताया कि 180 चिकित्सकों की जगह 68 चिकित्सक कार्यरत है। डीएमएफटी के माध्यम से पांच विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं दो सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सक रखे गए हैं। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल ने डीएमएफटी के माध्यम से और कितने चिकित्सकों को रखा जाना है और कब तक यह कार्य पूरा होगा, इसकी जानकारी मांगी। इस पर सीएस ने कहा कि लगभग सौ चिकित्सकों को आने वाले दो माह के अंदर डीएमएफटी से एक वर्ष और आगे के लिए रखा जाएगा। इस पर समिति सदस्यों ने अगले पांच साल के लिए ऐसे चिकित्सकों को रखने की कार्रवाई करने को कहा। बैठक में जिले के पब्लिक सेक्टर यूनिटों (पीएसयू) जैसे डीवीसी, बीएसएल,सीसीएल आदि द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं में एनओसी नहीं प्राप्त होने के कारण योजनाएं लंबित रहने एवं शुरू नहीं होने को लेकर चर्चा हुई। बैठक का संचालन अपर समाहर्ता सादात अनवर ने किया।

सांसद-विधायक अब कहीं से भी ऑनलाइन ले सकेंगे योजनाओं की जानकारी

कैंप टू स्थित जायका हैपनिंग सभागार में शनिवार को आहूत दिशा की बैठक के समापन के बाद जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन व संपादन में पारदर्शिता एवं सहूलियत को लेकर एमपी-एमएलए डैश बोर्ड का लोकार्पण किया। धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने माउस का बटन दबाकर इसकी शुरूआत की। मौके पर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, डुमरी विधायक सह स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री जगरनाथ महतो, गोमिया विधायक गोमिया डा. लंबोदर महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल, उपायुक्त कुलदीप चौधरी तथा बोकारो व चंदनकियारी विधायक के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान डीडीसी कीर्तिश्री जी. ने सांसद-विधायकों को डैशबोर्ड के काम करने के तौर-तरीकों और खासियतों की जानकारी दी। बताया कि इससे योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सहूलियत होगी। ऑनलाइन कहीं से भी अपने लाग इन आईडी-पासवर्ड का इस्तेमाल कर कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

आह्वान इस्पात सचिव ने किया बोकारो स्टील प्लांट का दौरा, अधिकारियों के साथ की बैठक

तकनीक की मदद से ही इस्पात-जगत की चुनौतियों का सामना संभव : सचिव

संवाददाता

बोकारो : भारत सरकार के इस्पात सचिव संजय सिंह बोकारो पहुंचे। उनके साथ सेल के निदेशक (तकनीकी, प्रोजेक्ट्स एवं रॉ मटेरियल) अरविंद कुमार सिंह तथा इस्पात मंत्रालय के उप सचिव जी. सारथी राजा भी बोकारो पहुंचे। शनिवार को पूर्वाह्न इस्पात सचिव ने सर्वप्रथम जैविक उद्यान में वृक्षरोपण किया और जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। तदुपरान्त उन्होंने प्रशासनिक भवन स्थित मॉडल रूम में प्लांट के ले-आउट की जानकारी ली।

इस दौरान बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश, सेल के निदेशक (तकनीकी, प्रोजेक्ट्स एवं रॉ मटेरियल) अरविंद कुमार सिंह, इस्पात मंत्रालय के उप सचिव जी. सारथी राजा तथा तथा बीएसएल के अधिशासी निदेशक भी उपस्थित थे। प्लांट भ्रमण के क्रम में इस्पात सचिव ने कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-2 (सीसीएस) तथा हॉट स्ट्रिप मिल जैसी प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन किया और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली।

इसके बाद बोकारो निवास में इस्पात सचिव ने बीएसएल अधिकारियों के साथ बैठक की। संयंत्र के युवा प्रबंधकों के साथ आयोजित प्रथम बैठक में उन्होंने इंडस्ट्री 4.0 से जुड़े नयी तकनीकों यथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स इत्यादि के जरिए इस्पात उद्योग को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने तथा भविष्य की संभावनाओं को आकार देने में युवा प्रबंधकों को रचनात्मक भूमिका निभाने हेतु आगे आने को प्रेरित किया।

बाद में बीएसएल के वरीय अधिकारियों के साथ आयोजित एक अन्य बैठक में इस्पात सचिव ने कार्बन फुटप्रिंट कम करने संबन्धित बीएसएल का रोड मैप, रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल की योजना, बीएसएल के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट इत्यादि की समीक्षा की। अपने संक्षिप्त दौरे के समापन पर इस्पात सचिव अपराहन बोकारो से विदा हुए।

डीवीसी प्रबंधन व संवेदकों के पेच में सप्लाई मजदूरों को नहीं मिला बोनस

संवाददाता

बोकारो थर्मल : डीवीसी मुख्यालय कोलकाता के आदेश के बाद भी बोकारो थर्मल में दुर्गा पूजा पर सप्लाई मजदूरों को एक्सग्रेसिया अथवा बोनस का भुगतान नहीं होने पर सप्लाई मजदूरों में रोष है। बोकारो थर्मल में सप्लाई मजदूरों को बोनस भुगतान का मसला डीवीसी प्रबंधन एवं सप्लाई मजदूरों के 18 संवेदकों के बीच लाभांश का पेंच फंसने के कारण नहीं किया जा सका है। सप्लाई मजदूरों के सभी संवेदक इस वर्ष बोनस भुगतान की राशि पर बिना लाभांश लिये भुगतान के मूड में नहीं हैं तो डीवीसी प्रबंधन भी लाभांश देना तो दूर बोनस का भुगतान नहीं किये जाने पर संवेदकों पर कार्रवाई करने का मूड बना रहा है। मसले को लेकर सप्लाई मजदूरों के सभी 18 संवेदकों ने 8 अगस्त को छह सूत्री मांग को लेकर एक पत्र डीवीसी के एचओपी को दिया था। एचओपी को दिये गये पत्र की प्रतिलिपि सीई (ओएंडएम एवं एसई) को भी दी थी। पत्र में संवेदकों ने लिखा था कि निविदा को लेकर डीवीसी द्वारा बनाये गये इस्टीमेट में मजदूरों का रात्रि भत्ता, ईएल, बोनस अथवा एक्सग्रेसिया, राष्ट्रीय अवकाश मसलन 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2 अक्टूबर सहित बढ़ोतरी राशि नहीं जोड़ा रहता है, बावजूद सभी संवेदकों को इसका भुगतान मजदूरों को करना पड़ता है, पूर्व में जो विभागीय आकलन (इस्टीमेट) बनाया जाता था, उसमें संवेदकों का 10 फीसदी लाभांश जोड़कर इस्टीमेट बनाया जाता था, जबकि वर्तमान में इसे हटा दिया गया है। उक्त भुगतान की गयी राशियों पर एक ओर जहां लाभांश संवेदकों को नहीं मिलती है, वहीं दूसरी ओर दो फीसदी आयकर एवं 13 फीसदी एसडी एवं एसडीपीजी काट ली जाती है। वर्ष 2018 तक उक्त सभी राशियों पर 10 फीसदी सुपरविजन चार्ज का भुगतान किया जाता था, जिसे बाद में बंद कर दिया गया है। डीवीसी चंद्रपुरा पावर प्लांट में उपरोक्त सभी राशियों पर संवेदकों को सुपरविजन चार्ज का भुगतान किया जाता है।

सावधान! आपके घर महफूज़ नहीं

वीडियो बना चोर कर रहे बंद घरों की रेकी, लगातार चोरियों पर अंकुश लगाने में पुलिस विफल

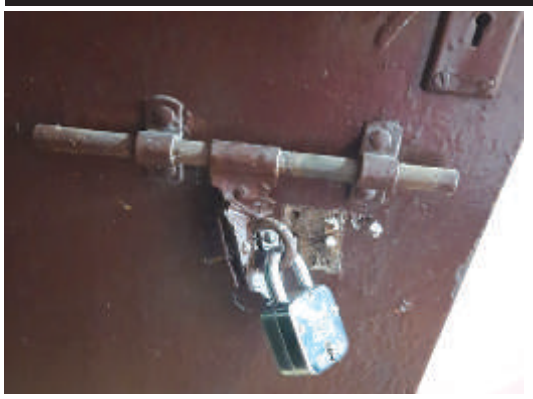

संवाददाता

बोकारो : बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास के इलाके में इन दिनों चोरों का उत्पात लगातार जारी है। बंद घरों को चोर आये दिन निशाना बना रहे हैं। चोरी की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगाने में बोकारो पुलिस पूरी तरह विफल दिख रही है। इससे लोगों में जहां चोरी को लेकर दहशत है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली के प्रति आक्रोश भी। पिछले हफ्ते 24 घंटे के भीतर 16 लाख दो चोरियां सामने आईं। चोरों ने शिशिर कुमार झा नामक एक बीएसएल अधिकारी के घर भीषण चोरी को अंजाम दिया। घटना बोकारो के सेक्टर- 4 थाना क्षेत्र की है। आवास संख्या - 4जी/1037 निवासी शिशिर परिवार समेत अपने गांव मधुबनी (बिहार) गए थे। इधर, चोर उनके घर से जेवरात सहित लगभग 10 लाख रुपए मूल्य की संपत्ति चुरा ले गए। वे लोग 27 सितम्बर को मधुबनी के मुरलियाचक स्थित अपने पैतृक गांव गए थे। लौटकर आने पर घर में भीषण चोरी का पता चला। शिशिर ने बताया कि हाल ही में उन्होंने अपनी बेटी की शादी कराई थी। घर में कोजागरा को लेकर घर में तैयारी की जा रही थी। उसी निमित्त जेवर समेत कई कीमती सामान घर में थे, जिन पर चोरों ने हाथ साफ कर लिया। चोर उनके घर की चहारदीवारी फांदकर घुसे थे। शिशिर जब लौटे, तो मेन गेट का ताला लगा था और आवास के दरवाजे पर की कुंडी टूटी हुई थी। आवास के अंदर सारा समान बिखरा था। उन्होंने बताया कि चोर आलमारी को तोड़कर करीब 10 लाख रुपए के जेवरात लेकर भाग निकले। इसके ठीक एक दिन पहले ही सेक्टर-12 ई में एक बंद पड़े आवास से चोरों ने 6 लाख रुपए के गहने उड़ा डाले।

गौरतलब है कि इन दिनों सेक्टर-3, सेक्टर-4 सहित अन्य कई जगहों पर बाइकसवार संदिग्ध लोग घूमते देखे जा रहे हैं। वे बंद घरों के आसपास न केवल बैठकर समय बिताते हैं, बल्कि आसपास का वीडियो फुटेज भी बनाकर रेकी करते हैं। हाल ही में सेक्टर-3बी में ऐसा वाकया सामने आया था। ऐसे में शहरवासी काफी चिंतित हैं। इधर, पुलिस भी मेला में चौकसी को लेकर तैनात है, इसलिए शहर के अंदर कालोनियों में चोर आतंक मचाने में लगे हैं।

राष्ट्र सुरक्षित, तभी हम सुरक्षित : देवी सिंह

बोकारो : भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो इकाई द्वारा अपने वायु सैनिकों के सम्मान में एक सम्मान समारोह सह गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेक्टर-2बी स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन वयोवृद्ध पूर्व वायु सैनिक प्रह्लाद प्रसाद वर्णवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उपस्थित पूर्व वायु सैनिकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कुछ पूर्व वायु सैनिकों ने विभिन्न युद्धों के दौरान के अपने अनुभव भी साझा किये। अपने उद्बोधन के दौरान विहिप के संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा की राष्ट्र धर्म ही सर्वोच्च है। अगर राष्ट्र सुरक्षित हो तभी व्यक्ति भी रहता है और अपने सभी धर्मों का निर्वाह कर पाता है। राष्ट्र की सुरक्षा और व्यक्ति की अवस्था के संबंध का आज अफगानिस्तान ज्वलंत उदाहरण है। बोकारो महानगर कार्यवाह रंजीत वर्णवाल ने परिषद के विभिन्न कार्यों की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों एवं पूर्व सैनिकों को अपनी शुभकामनाएं दीं कि परिषद जिस तरह से समाज के विभिन्न आयामों में अपना कार्य करता आ रहा है, आगे भी सफलतापूर्वक जारी रखे। इसके बाद सामूहिक रुप में श्रीहनुमान-चालीसा का पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के बाद अल्पाहार के साथ समसामयिक विषयों पर वार्ता करते हुए किया गया। इस कार्यक्रम में संघ के धनबाद विभाग प्रचारक प्रदीप बाग, दयानंद नगर कार्यवाह मोहनन नायर, परिषद के दिनेश्वर सिंह, राकेश मिश्रा, जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, सचिव संजीव कुमार, एसके सिंह जी, कैप्टन बीके पांडेय, कैप्टन जनार्दन सिंह, मनोज, राजहंस, परमहंस, विनय, मुकेश, राजीव रंजन सिन्हा, रमेश, अभय, राजकुमार, वशिष्ठ प्रसाद सिंह आदि मौजूद रहे।

पहल एक करोड़ के कृत्रिम सहायक उपकरण बांटे जाएंगे, एलआईएमसीओ संग समझौता

दिव्यांगहित में बीएसएल ने उठाया बड़ा कदम

संवाददाता

बोकारो : अपने निगमित सामाजिक दायित्वों की कड़ी में बोकारो स्टील ने एक और बड़ा व अहम कदम बढ़ाया है। बीएसएल ने अपनी सामाजिक निगमित दायित्व के तहत दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3 दिसंबर 2022 को विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर एक मेगा शिविर आयोजित करने के लिए भारतीय कृत्रिम अंग निगम (एलआईएमसीओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। समझौता ज्ञापन पर बोकारो स्टील प्लांट की ओर से महाप्रबंधक(सीएसआर) श्री सी आर के सुधांशु तथा भारतीय कृत्रिम अंग निगम (एलआईएमसीओ) की ओर से यूनिट हेड (भुवनेश्वर यूनिट-एलआईएमसीओ) चन्दन कुमार चांद द्वारा अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) संजय कुमार, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (नगर प्रशासन) बीएस पोपली, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (कार्मिक) पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सिक्योरिटी) मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) मनीष जलोटा, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरि मोहन झा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस समझौता ज्ञापन के तहत बीएसएल का सीएसआर विभाग भारतीय कृत्रिम अंग निगम के सहयोग से बीएसएल के परिक्षेत्रीय गांवों के जन प्रतिनिधियों द्वारा चिन्हित किये गए दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच एक करोड़ रुपये के मूल्य के विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का वितरण करेगा। जन प्रतिनिधियों द्वारा पंजीकृत किये गए नामों के आधार पर सीएसआर विभाग द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निगम तथा उनकी विशेषज्ञ टीम के सहयोग से 15 से 20 नवंबर 2022 के बीच दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सटीक जरूरतों एवं उनकी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए एक मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस मूल्यांकन शिविर के दौरान आवश्यकताओं का आकलन करने के उपरान्त चिह्नित किए गए वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के बीच 3 दिसंबर 2022 को आयोजित किये जाने वाले मेगा शिविर में सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

हफ्ते की हलचल

दुर्गापूजा संपन्न, नौ दिनों तक बहती रही भक्तिरस की बयार

बोकारो : आदिशक्ति जगतजननी जगदम्बा की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र (दुगार्पूजा) बोकारो, उपशहर चास एवं आसपास के क्षेत्र सहित पूरे जिले में सोल्लास संपन्न हो गया। इस अवसर पर पूरे नौ दिनों तक लगातार जहां शहर में मैया के भक्तिमय गीत तथा जय-जयकार गूंजते रहे, वहीं वैदिक मंत्रोच्चार से भी वातावरण आध्यात्मिक व भक्तिमय बना रहा। दो वर्षों के बाद इस साल कोरोनाकाल के पश्चात पूजा की रौनक लौटी। हालांकि, मौसम ने पूजा के उत्साह में खलल जरूर डाला, परंतु लोगों की आस्था कम नहीं हुई। दुगार्पूजा पर पंडालों की साज-सज्जा अपने-आप में अनूठी रही, जहां आस्था के साथ-साथ पूजा का उमंग छाया रहा। सप्तमी को पंडालों के पट खुलने के बाद से लेकर विजयादशमी तक पंडालों में लाखों-लाख श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा। लोगों ने मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा कर खुशियाली की जहां कामना की, वहीं मेलों का आनंद भी लिया। नगर के सेक्टर-2 और सेक्टर-9 में पहले की तरह इस बार भी विशाल मेला व मीना बाजार लगाया गया, जो अभी अगले कुछ दिनों तक और लगा रहेगा। जिले के कसमार, पेटरवार, चंदनकियारी और बोकारो शहर में बंग भारती, कालीबाड़ी, चक्की मोड़ सहित कई जगहों पर स्थापित की गई मां दुर्गा की प्रतिमाएं विसर्जित कर दी गईं।

रामविलास पासवान की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई

बोकारो : पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की दूसरी पुण्यतिथि सेक्टर-8 में मनाई गई। उपस्थित लोगों ने उन्हें दलितों का सच्चा रहनुमा बताया। उनके जीवन-संघर्ष और उनके कृत्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके अधूरे सपने साकार करने पर जोर दिया। झारखंड प्रदेश के वरीय अध्यक्ष राम सिंहासन ने कहा कि राम विलासजी ने सड़क से लेकर संसद तक कार्य किया है। प्रदेश उपाध्यक्ष राम कुमार वर्मा, महासचिव मुंजय कुमार पासवान, अधिवक्ता अमरनाथ पासवान, कुमार सौरभ, दिग्विजय चौधरी, शम्भु पासवान, अरविंद राम, डीएल कुमार, जितेंद्र कुमार राम, लगन प्रसाद, अनिल कुमार, गुरुदेव पासवान, नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

कर्ण गोष्ठी महिला ग्रुप का स्थापना दिवस मनाया गया

बोकारो : कर्ण गोष्ठी महिला ग्रुप बोकारो का स्थापना दिवस समारोह सामाजिकता निर्वहन के संकल्प के साथ धूमधाम से मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता समूह की अध्यक्षा पुष्पा रानी कर्ण ने की। उन्होंने सभी सदस्याओं को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उनसे समाजहित में दायित्व-निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कर्ण गोष्ठी महिला ग्रुप बोकारो की स्थापना 2019 में हुई था। समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्बंधित इस संस्था की बोकारो इकाई सदस्य अपने बहनों के साथ मिलकर आगे के रणनीति पर चर्चा की गई। यह संस्था हमेशा समाज की सहायता के लिए आगे रहती है। उन्होंने कहा कि बोकारो ग्रुप की सभी बहनें मिलकर बच्चे की पढाई और महिला स्वावलंबन में सहायता कर रही हैं। आर्थिक सहयोग के लिए स्वरोजगार योजना भी चल रही है। समूह की संस्थापिका सुनीता दास की अगुवाई में सामाजिक कार्यों को पूरा किया जा रहा है और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। समारोह में बोकारो ग्रुप की कामेश्वरी दास, मंजु दास, पुष्पा रानी कर्ण, माला दास, नीलम दत्त, माधुरी दास, रूपम रंजन, प्रिया कर्ण, सविता दास, शोभा दास, पूनम कर्ण, वीणा कंठ आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आगे और सहयोग करने के लिए रणनीति बनाई गई।

आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम बनाएं सफल : बीडीओ

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड मुख्यालय के सभाकक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार व अंचलाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो ने संयुक्त रूप से आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें सीडीपीओ अलका रानी सहित सभी विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे। बीडीओ कपिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 12 तारीख से शुरू हो रहा है, जो प्रखण्ड की सभी पंचायतों में बारी-बारी से दो चरणों में आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बारे में सभी विभागों से चर्चा की जा रही है कि कैसे पंचायतों के अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को ऑन द स्पॉट स्वीकृत कर सकते है। इसके लिए बहुत ही प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग कैम्प तक पहुंचे और सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सके। बैठक में सभी पंचायत सचिव, जन सेवक, रोजगार सेवक, पर्यवेक्षिका आदि मौजूद रहे।

झारखंड में सरकारी बाबुओं की 'बल्ले-बल्ले'

खुशखबरी... 34% से बढ़कर 38% हो जाएगा महंगाई भत्ता, सीएम ने दी मंजूरी

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी बाबुओं और कर्मियों के लिए खुशखबरी है। हेमंत सरकार अपने कर्मचारियों और अधिकारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने जा रही है। महंगाई भत्ता को चार फीसदी बढ़ाया जाएगा। वर्तमान में 34 फीसदी डीए मिलता है, जो बढ़कर 38 फीसदी हो जाएगा। कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने सेराज्य के खजाने पर अक्टूबर से लेकर मार्च तक हर महीने 42 करोड़ रुपए अधिक खर्च होंगे। बढ़े हुए डीए पर कुल मिलाकर अक्टूबर-मार्च की अवधि में लगभग लगभग 250 करोड़ और सालाना 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अभी वेतन और पेंशन पर कुल मिलाकर हर महीने लगभग 1700 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। आगे लगभग 1742 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस प्रस्ताव को सहमति दे दी है। राज्य मंत्रिपरिषद की सहमति के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है।

एक जुलाई से होगा लागू

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस प्रस्ताव को अपनी सहमति दे दी है। हेमंत सरकार सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने जा रही है। प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की सहमति के लिए भेज दिया गया है। महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी एक जुलाई से लागू होगी। नवंबर में मिलने वाले अक्टूबर के वेतन में जुलाई, अगस्त और सितंबर माह का एरियर जुड़कर आएगा। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महंगाई भत्ते के एरियर को वेतन खाते में दिया जाएगा या जीपीएफ में डाला जाएगा।

सालाना 250 करोड़ का बढ़ेगा अतिरिक्त भार

इस इजाफे के बाद राज्य सरकार के खजाने पर हर माह करीब 42 करोड़ यानी सालाना 250 करोड़ का अतिरिक्त भार बढ़ेगा। खास बात है कि कोरोना काल के बाद पहली बार राज्य कर्मियों को बढ़े हुए डीए का एरियर मिलेगा। दूसरी बड़ी बात यह है कि पेंशनधारियों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में भी चार फीसदी बढ़ोतरी पर सैद्धांतिक फैसला हो गया है। लेकिन, पहले कर्मचारियों को लाभ दिया जाएगा। पेंशनर्स के डीए में बढ़ोतरी की अधिसूचना कुछ दिन बाद जारी हो सकती है। महंगाई भत्ते के प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लगते ही कर्मचारियों/अधिकारियों के वेतन में 500 रुपए से लेकर नौ हजार रुपए तक का इजाफा हो जाएगा। इससे साफ है कि नवंबर के वेतन में कर्मचारियों/अधिकारियों को एरियर के रूप में 1500 रुपए से लेकर 27000 रुपए अतिरिक्त मिलेंगे। आपको बता दें कि झारखंड सरकार के नियमित कर्मचारियों की संख्या करीब एक लाख 92 हजार है। जबकि पेंशनधारी कर्मचारियों की संख्या एक लाख 47 हजार है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने पिछले दिनों ही अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में चार फीसदी का इजाफा कर दिया था। पहली बार केंद्र सरकार की ओर से दीपावली से एक माह पूर्व ही यह तोहफा दिया गया है।

नियुक्ति से पहले सरकार जारी करे स्थानीय नीति व आरक्षण का संकल्प : डॉ. लंबोदर

गोमिया विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग

बोकारो : गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार से झारखंड राज्य के लोगों के हित में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने और झारखंड राज्य के अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जातियों, अत्यंत पिछड़ी जातियों, पिछड़ी जातियों एवं सामान्य वर्ग के लोगों के लिए अलग-अलग आरक्षण देने से संबंधित कैबिनेट के निर्णयों का संकल्प जारी करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अब तक राज्य सरकार ने लिए गए दोनों निर्णय को लागू करने से संबंधित संकल्प जारी नहीं किया है, जबकि 14 सितंबर को हुई कैबिनेट की बैठक में दोनों पर सहमति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस बीच राज्य सरकार द्वारा कई विभागों में नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यदि दोनों निर्णय के लागू होने से पहले राज्य सरकार नियुक्ति करती है तो झारखंड राज्य के लाखों स्थानीय अनुसूचित जनजाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों को अपनी नियुक्तियों से वंचित होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड राज्य के अनुसूचित जनजातियों को 28 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों को 12 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ी जातियों को 15 प्रतिशत, पिछड़ी जातियों को 12 प्रतिशत और सामान्य वर्ग के आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े हुए लोगों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए दोनों निर्णय का झारखंड राज्य की जनता ने स्वागत भी किया है। उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भी लिखकर उनसे से इस संदर्भ में समुचित कार्रवाई करने करने का भी आग्रह किया है।

गैरकानूनी कार्यों में लगे होटल जल्द होंगे चिह्नित

एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल एसएसपी से मिला

संवाददाता

रांची : झारखण्ड होटल एसोसिएशन एवं टूर एंड ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल से मिला। प्रतिनिधिमंडल में झारखण्ड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह खुराना, अमरदीप सहाय, चिरंजीवी कुमार, संतोष सिंह, राहुल सिंह, सोनू मिश्रा शामिल रहे। इस दौरान दुर्गा पूजा में प्रशासनिक तत्परता से पूजा को सफल करवाने के लिए झारखण्ड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह खुराना ने मोमेंटो देकर एवं टूर एंड ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष अमरजीत सहाय ने वरीय आरक्षी अधीक्षक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल ने झारखण्ड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह खुराना से कहा कि कई ऐसे होटल है जिनमे गैरकानूनी कार्य हो रहे हैं, वैसे होटलों को चिह्नित करें, ताकि उनपर कारवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि होटल में जो गैरकानूनी कार्य हो रहा है, उससे शहर की छवि बिगड़ती है।

अध्यक्ष अरविन्दर सिंह खुराना ने आश्वस्त किया कि ऐसी चीजें कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी और ऐसे होटलों को जल्द ही चिह्नित किया जाएगा, जो गैरकानूनी कार्यों में लिप्त हैं। खुराना ने बीते 3 अक्टूबर को धुर्वा स्थित मेफेयर बैंक्वेंट हॉल में संचालित कोको चिल्ली रेस्टोरेंट में वार्ड 39 के पार्षद वेद प्रकाश और उनके मित्रों के द्वारा तोड़-फोड़, मारपीट और कथित गुंडागर्दी को लेकर रोष जताते हुए इसकी निंदा की।

मनीगाछी में धांधली की भेंट चढ़ी लाखों की मनरेगा योजनाएं

दरभंगा : जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मिलीभगत से मनरेगा योजना में धांधली का बड़ा मामला एक बार फिर सामने आया है। जिले के मनीगाछी प्रखंड में लाखों रुपए की योजनाएं धांधली की भेंट चढ़ चुकी हैं। डीडीसी अमृता बैस ने मनरेगा पीओ रूमानी को भेजी गोपनीय रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। प्रखंड की राघोपुर उत्तरी, राघोपुर पूर्वी, ब्रहम्पुरा भट्टपुरा, नेहरा पश्चिम, गंगौली कनकपुर एवं पैठान कबई पंचायतों में मनरेगा योजनाओ के क्रियान्वयन में वित्तीय अनियमितता बरते जाने का खुलासा डीडीसी ने अपनी रिपोर्ट में किया है। उल्लेख किया है कि इन पंचायतों में मनरेगा के तहत संचालित योजनाओ के क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड के बीडीओ व सीओ ने जो रिपोर्ट भेजी है, उसमें स्पष्ट रूप से वित्तीय अनियमितता की बात कही गई है। रिपोर्ट में अकेले राघोपुर उत्तरी पंचायत में नाला निर्माण कार्य सहित अन्य कार्यों के नाम पर 15 लाख 54 हजार 88 रुपए की गड़बड़ी का खुलासा किया गया है। खबरों के अनुसार बीडीओ अनुपम कुमार ने राघोपुर पूर्वी पंचायत के निरीक्षण के बाद भेजी रिपोर्ट में कहा है कि महेंद्र साफी के घर के पास, मरबाघाट स्कूल के पास एवं गोपाल सदाय के घर के समीप पीसीसी सड़क के निर्माण में प्राक्कलन की अनदेखी कर गलत तरीके से रुपए की निकासी की गई। रिपोर्ट में संबंधित लोगों से राशि की वसूली की बात कही गई है। नेहरा पश्चिम के वार्ड 8 में भी मनरेगा विभाग के तहत किए गए कार्यों में व्यापक गड़बड़ी करने की बात भी सामने आई थी। वहीं अंचलाधिकारी राजीव प्रकाश राय ने गंगौली कनकपुर एवं पैठान कबई पंचायत के निरीक्षण में मनरेगा विभाग के कार्य में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखने की बात अपनी रिपोर्ट में कही है।

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा अरेर-नगवास मुख्य मार्ग

मधुबनी : तस्वीर ही इस सड़क की दुर्दशा बयां करने के लिए काफी है। मधुबनी जिला के अरेर और नगवास का मुख्य मार्ग अभी भी विकास से कोसों दूर है। सड़क की हालत ऐसी है कि यह पैदल चलने लायक भी नहीं बची। बरसात के इन दिनों में तो इसकी स्थिति नारकीय हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने कई बार क्षेत्र के जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों से इस समस्या के निराकरण की गुहार लगाई, परंतु न नेताओं को और न ही अफसरों को इसकी सुध लेने की फुर्सत रही। इससे क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश है।

मिथिला डायरी

शिवनगर के पिंकू ने फिर बिखेरा अपनी प्रतिभा का जलवा

मधुबनी : मधुबनी जिले के बेनीपट्टी स्थित शिवनगर ग्राम निवासी पिंकू झा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा है। अपनी एंकरिंग क्षमता का कुशल प्रदर्शन करते हुए इस बार दुर्गापूजा में अकेले ही कई जगहों पर मंच की कमान संभाली और समां बांध दिया। पिंकू ने परसौनी, रहिका, मधुबनी, सुगौना, राजनगर, झंझारपुर, हरीआदि गांवों में नवरात्रि की अलग-अलग तिथियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मंच संचालन किया। पीजे एंटरटेनमेंट के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में प्रकाश झा, रोशन झा और शिवानी मिश्रा सरीखे कलाकारों ने अपने गायन से सभी को मंत्रमुग्ध किया, वहीं एंकरिंग में पिंकू ने हास्य, व्यंग्य सहित कई तरह के रस का प्रदर्शन किया। शिवनगर निवासी ललन झा उर्फ मुखियाजी के सुपुत्र पिंकू का चयन हाल ही में टीवी रियलिटी शो 'डांस का तड़का' में एंकरिंग के लिए किया गया था। 23 वर्षीय पिंकू उर्फ छोटू फिलहाल एमबीए कर रहे हैं। उन्हें बचपन से ही एंकरिंग का शौक था। वह आगे चलकर एक सफल पब्लिक स्पीकर और व्यवसायी बनना चाहते हैं।

आनंद रास की रात है शरद पूर्णिमा

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

हर व्यक्ति अपने आप को युवा रखने के लिए अनेक प्रकार के प्रयास करता है। स्त्री-पुरुष पार्लर के चक्कर लगाते हैं, जिम जाते हैं। परंतु इन सभी उपायों से शरीर युवा दिख सकता है, लेकिन मन को युवा सिर्फ आत्मा कर सकती है। हमारे जीवन में समग्र सौंदर्य सिर्फ आत्मा ही प्रदान करती है। इसलिए आत्मा को भामिनी, यानी सुंदरता कहा गया है। जिसके जीवन में आत्मिक सौंदर्य का अभाव होता है, वह चाहे कितना भी श्रृंगार प्रसाधन लगा ले, वह युवा नहीं हो सकता है।

सच तो यह है कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य की रचना शुरू की तो उन्होंने उन संतानों को वृद्ध होने का भाव नहीं प्रदान किया था।

ब्रह्मा की चार संतानें- सनक, सनंदन, सनातन और सनत कुमार हैं। सनत कुमार का अर्थ-चिर यौवन है। सनंदन का चिर आनंद है। सनातन का अर्थ शाश्वत है। सनक का अर्थ आदि या पुरातन है।

अब इसे सहज करके देखा जाए तो यौवन, आनंद में भरे रहना मनुष्य का शाश्वत धर्म है, जो जबसे संसार रचा गया है, उस समय से विद्यमान है। उत्पत्ति के ब्रह्मा की चारों संतानें तप करने चली गई, क्योंकि उन्हें मालूम था कि जीवन में आनंद, यौवन 'आत्मप्रकाश' से ही मिलता है।

अब, मैथुनी सृष्टि या घर संसार वाली दुनिया में चिंताएं भी हैं और फिक्र भी। हर फिक्र और उसका बार-बार जिक्र 'आत्मज्योति' को कुम्भला देता है। इसका प्रभाव शरीर पर दिखाई देता है। फिर कैसे 'आत्मप्रकाश' को बनाकर रखा जाए? मार्ग है- नित्य रस प्रवाह में भींगना। इसका सर्वश्रेष्ठ रूप रास है। शरद पूर्णिमा की रात को श्री कृष्ण ने गोपियों के संग रास रचाया था। रास का अर्थ रस से परिपूर्ण है।

इस संबंध में श्रीमद्भागवत में उल्लेख आया है कि शरद पूर्णिमा की रात में श्रीकृष्ण ने यमुना तट पर रास का आयोजन किया था। परंतु रास के बीच में भगवान श्रीकृष्ण अंतर्ध्यान हो गए, क्योंकि गोपियों को यह अभिमान आ गया था कि भगवान श्रीकृष्ण उनके वश में हो गए हैं। भगवान के अंतर्ध्यान होते ही गोपियों का अभिमान समाप्त हो गया और उसके बाद वे भगवान से कातर स्वर में प्रार्थना करने लगीं। उनकी प्रार्थना से भगवान द्रवित हो गए और उन्हें महारास का आस्वादन कराया।

क्या है आनन्द रास

आध्यात्मिक रूप से रास का अर्थ जीवात्मा का परमात्मा के साथ एकाकार हो जाना है। एकमेव श्री कृष्ण पूर्ण ब्रह्म हैं और शरद पूर्णिमा की रात को प्रत्येक जीव, जिसकी श्री कृष्ण में अनन्य भक्ति है, वह उनके साथ एकाकार होकर, आनंदित होकर जीवन रस को छक कर पीता है, जिसके बाद उसकी आत्मा पर जमा हुआ दुःख एवं पीड़ा का अवसाद हट जाता है। शरद पूर्णिमा की रात्रि भक्तों के लिए जीवन को नवीन एवं रसमय करने की रात है। अपने जीवन में यौवन को स्थापित करने की रात है

रास तो हर शरद पूर्णिमा को सूक्ष्म रूप में श्रीकृष्ण और गोपियां करते हैं, परन्तु उस रास में उपस्थित होने की अनुमति उसी जीवात्मा (मनुष्य) को मिलती है, जिसका मन और तन युवा है, भक्ति रस में सराबोर है, आनन्द रास का उदय उसके मन में स्वाभाविक रूप में हो जाता है।

मन और तन को युवा रखने में श्रृंगार रस की भूमिका महत्वपूर्ण है। जब तन युवा अनुभव करता है, मन भी प्रसन्न रहता है। शायद इसी कारण से युवा व्यक्ति को हंसने, खिलखिलाने के लिए 'लाफ्टर योगा' की जरूरत नहीं होती है। यौवन की प्रतिमूर्ति अप्सरा है। जिसे अप्सरा छू देती है, वह बुढ़ापे को मीलों दूर धकेल देता है। अप्सरा उसी को मिलती है, जो उसका सम्मान पूर्वक आवाहन करता है, उसके सामने अपने मन के द्वार खोल देता है, क्योंकि अप्सरा का उद्देश्य अपने साधक को आनंद देना है, उसके जीवन से नीरसता को दूर करके सरस बना देना है। भारतीय शास्त्रों में सौंदर्य को जीवन का उल्लास और उत्साह माना गया है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में सौंदर्य नहीं है तो वह जीवन नीरस और बेजान हो जाता है।

इसका कारण यह है कि हम सौंदर्य की परिभाषा ही भूल चुके हैं। हम अपने जीवन में हंसना, मुस्कुराना ही भूल चुके हैं। हम धन के पीछे भागते हुए एक प्रकार से अर्थ लोभी बन गए, जिसकी वजह से जीवन की अन्य वृत्तियां लुप्त सी हो गई हैं। ठीक इसी के विपरीत जैसा कि मैंने कहा कि यदि हम अपने शास्त्रों को टटोल कर देखें तो हमारे पूर्वजों ने, ऋषियों ने और देवताओं ने सौंदर्य को अपने जीवन में एक विशिष्ट स्थान दिया और उन्होंने अप्सराओं की साधनाएं संपन्न कीं और उन्हें सिद्ध किया, जिनके द्वारा वे सौंदर्यमय, तेजस्विता पूर्ण, संपन्न बन सके।

इन विशिष्ट अप्सराओं को सिद्ध करने के पीछे हमारे ऋषियों का चिंतन था कि जीवन में ऐश्वर्य, धन-धान्य, पूर्ण सौंदर्य आदि प्राप्त करें और अपने जीवन की आध्यात्मिक और भौतिक उन्नति को समाज के सामने रखें। उन्होंने अपने जीवन में सौंदर्य को पूर्णता और श्रेष्ठता प्रदान की।

अप्सरा और सौंदर्य दोनों एक दूसरे के पर्याय हैं और किसी अप्सरा के बारे में जानने के लिए हमें सबसे पहले उसके अपूर्व सौंदर्य को समझना आवश्यक है। सभी देवताओं व ऋषियों जैसे- वशिष्ठ, विश्वामित्र, इंद्र आदि ने इस सौंदर्य को अपने जीवन में न केवल स्थान दिया, बल्कि एक महत्वपूर्ण स्थान दिया, जिससे साधारण मानव को भी उर्वशी, मेनका, रंभा आदि के साधनात्मक चिंतन को स्पष्ट कर उन्हें पूर्णता का मार्ग दिखाया जा सके, जो जीवन में रस भर दे, सौंदर्य भर दे और रस और सौंदर्य अगर किसी के जीवन में प्राप्त हो जाए तो वह जीवन सफल, श्रेष्ठ और अद्वितीय कहलाता है।

सौंदर्य एक ऐसा तत्व है, जिसे आप उपेक्षित नहीं कर सकते हैं। जीवन की जो सौंदर्य के प्रति स्वाभाविक प्रकृति है, वह रोकने पर भी नहीं रुकती है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं चोट से बचें। किसी भी कार्य को करने में जल्दीबाजी नही करें। पराक्रम में बढ़ोतरी हो सकती है। प्रेम संबंधों में थोड़ी कड़वाहट हो सकती है। आर्थिक मामलों में किए गए प्रयास सफलतादायक होंगे।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अर्थात रक्त विकार समस्याओं से बचें। दाम्पत्य जीवन मे प्रेम सौहार्द बनाकर रखें। कुछ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। व्यर्थ के खर्चों से बचें। संतान पक्ष से सन्तुष्टि प्राप्त होगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। वाणी पर संयम रखें। सामाजिक सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक यात्रा के योग बनेंगे। धनागम के योग बनेंगे। मधुर व्यवहार बनाने से लाभ प्राप्त होगा। पैसे की लेन-देन से बचें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आपसी सम्बन्धों को सुधारने की जरूरत है। क्रोध पर संयम रखें। शत्रु कमजोर होंगे। आलस्य के कारण कार्यक्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। मन में चंचलता रहेगी। उत्तम भोजन एवं वस्त्र सुख प्राप्त होंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें, लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। शरीर में पीड़ा होगी। बवासीर या अपच का शिकार हो सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन, वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोड़ी मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यवसाय में हानि हो सकती है। भाग्य साथ नही देंगे। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है। सप्ताह के मध्य में धन एवं सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य लाभ होगा। यश और आनन्द की प्राप्ति होगी। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। वाणिज्य व्यवसाय में लाभ हो सकता है।

मिथिला में प्राचीन काल से कायम है कोजागरा की अनूठी परम्परा

भारत विविधताओं का देश है। सभी स्थानों, क्षेत्रों, भाषा-भाषियों की अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता है। इन्हीं में से मिथिलांचल की परंपरा अपने-आप में अनूठी है। यहां विवाह के बाद से लेकर साल भर तक भांति-भांति के पारंपरिक उत्सवों का चलन रहा है। इन्हीं में से एक है कोजागरा, जिसे मनाने की परंपरा मिथिलांचल में प्राचीन काल से ही कायम है। आश्विन पूर्णिमा के दिन 'कोजागरा' उत्सव मनाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। इस दिन लक्ष्मी पूजा का विधान है और रात्रि जागरण की प्रधानता है। विशेष रूप से नवविवाहित युवकों के यहां कोजागरा उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व में मधुर और मखान का विशेष महत्व होता है। नवविवाहितों के घर पहली बार यह पूजा विशेष धूमधाम से की जाती है। कई जगहों पर सुख-समृद्धि की देवी लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है और मेले का भी आयोजन किया जाता है।

रागात्मक जीवन की होती है शुरुआत

कोजागरा नवविवाहिताओं के रागात्मक जीवन की शुरूआत का त्योहार है। इसे हर साल आश्विन पूर्णिमा की रात मनाया जाता है। लक्ष्मी पूजा के दृष्टिकोण से भी यह पर्व महत्वपूर्ण है। इसी के मद्देनजर इस तिथि को कोजागरा पर्व का आयोजन किया जाता है। कोसी सहित मिथिला में इस पर्व का विशेष महत्व है।

लड़की पक्ष से आनेवाले मधुर, पान और मखान का होता है वितरण

शादी के पहले साल नवविवाहितों के घर लड़की पक्ष की ओर से मधुर, मखान, पान आदि आता है। साथ ही, वर पक्ष के लोगों के लिए वस्त्र भी देने की परंपरा है। नवविवाहित वर के यहां कन्या के घर से आए मखाना व पान को बांटने की परंपरा है। वर के ससुराल से जब सारी सामग्री आ जाती है तो गांव या समाज को आने का न्योता दिया जाता है। वर को ससुराल से आए वस्त्र पहनाए जाते हैं। घर की महिलाएं आंगन में अष्टदल कमल का अरिपन देती हैं। इस पर चुमाओन का डाला रख वर के चुमाओन की विधि पूरी की जाती है।

कौड़ी-पचीसी खेलने का है रिवाज

चुमाओन के बाद वर साला या भावज के साथ चांदी की कौड़ी से पचीसी खेलता है। इस दौरान महिलाओं का हास-परिहास का दृश्य चलता रहता है। इस अवसर पर वर के सिर पर छाता तान दिया जाता है। उसी समय पांच ब्राह्मण दुर्वाक्षत देकर आशीर्वाद देते हैं। कहीं-कहीं मैथिली गीत-संगीत की भी महफिल सजती है। संध्या समय कोजागरा पूजन किया जाता है, जिसमें आसपास के लोगों को बुलाया जाता है। पूजा उपरांत लोगों के बीच मधुर मखान का वितरण किया जाता है।

कोजागरा डाला की है अपनी विशिष्टता

वैसे तो मिथिला में विवाह के अवसर पर डाला सजाकर ही चुमाओन किया जाता है, लेकिन कोजागरा का डाला प्रसिद्ध है। इस अवसर पर लगभग पांच से छह फुट व्यास वाले बांस से बने डाला पर धान, मखाना, पांच नारियल, पांच हत्था केला, छाछ, पान की ढोली, मखाना की माला, जनेऊ, सुपारी, इलायची और अड़ांची से सजा कलात्मक वृक्ष, पांच प्रकार की मिठाई की थाली, छाता, छड़ी व वस्त्र सहित अन्य सामग्रियों की सजावट देखते ही बनती है। इसी डाला से वर का चुमाओन करने की परंपरा है। बड़ा डाला रहने से इसे 10-10 की संख्या तक महिलाएं उठाकर चुमाओन की विधि संपन्न करती हैं।

जानिए... शरद पूर्णिमा की रात का वैज्ञानिक महत्व

एक अध्ययन के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन औषधियों की स्पंदन क्षमता अधिक होती है। रसाकर्षण के कारण जब अंदर का पदार्थ सांद्र होने लगता है, तब रिक्तिकाओं से विशेष प्रकार की ध्वनि उत्पन्न होती है। लंकाधिपति रावण शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। इस प्रक्रिया से उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी। चांदनी रात में 10 से मध्यरात्रि 12 बजे के बीच कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है। सोमचक्र, नक्षत्रीय चक्र और आश्विन के त्रिकोण के कारण शरद ऋतु से ऊर्जा का संग्रह होता है और बसंत में निग्रह होता है। अध्ययन के अनुसार दुग्ध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया और आसान हो जाती है। इसी कारण ऋषि-मुनियों ने शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया है।

गांव की माटी से चमका सितारा... बोकारो का गोल्डी बना गोल्डन बॉय

नेशनल गेम्स की तीरंदाजी प्रतियोगिता में झारखंड को दिलाया पहला स्वर्ण

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले की खेल प्रतिभा ने एक बार फिर राष्ट्रीय फलक पर अपना व जिले का नाम रोशन किया है। खास बात यह है कि इस बार गांव की माटी से एक सितारा चमका है। जिले के चंदनकियारी प्रखंड निवासी गोल्डी मिश्रा ने गुजरात में चल रहे 36वें नेशनल गेम्स 2022 में गोल्ड मेडल हासिल कर बोकारो सहित पूरे झारखंड प्रदेश के मान बढ़ाया है। गोल्डी ने यह गोल्ड इंडियन राउंड 50 मीटर व्यक्तिगत तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता है।

जिला प्रशासन ने किया सम्मानित

बोकारो लौटने पर गोल्डी मिश्रा का जिला प्रशासन द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कैंप टू स्थित जायका हैपनिंग सभागार में प्रतिभावान खिलाड़ी गोल्डी मिश्रा, उनके कोच महेंद्र करमाली एवं जिले से प्रतियोगिता में शामिल अनु सिंह को पुष्प गुच्छ, मेडल, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सांसद पीएन सिंह ने गोल्डी मिश्रा, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कोच महेंद्र करमाली और डुमरी विधायक डुमरी सह स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री जगरनाथ महतो ने अनु सिंह को सम्मानित किया। उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि चंदनकियारी प्रखंड में राज्य सरकार द्वारा संचालित तीरंदाजी डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र के दोनों खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होने को लेकर और संसाधनों की आवश्यकता है। डीएमएफटी की जिला स्तरीय समिति में चर्चा हुई है, इस दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी।

गोल्डी के गोल्ड जीतने की खबर आने के बाद से ही खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। चंदनकियारी प्रखंड में राज्य सरकार द्वारा संचालित तीरंदाजी डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र से जुड़े खिलाड़ियों एवं गोल्डी के साथी खिलाड़ियों में भी इसको लेकर प्रसन्नता व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि गोल्डी मिश्रा जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा संचालित तीरंदाजी डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। जिला प्रशासन द्वारा उन्हें हर संभव सुविधा मुहैया कराई जाती है। वर्तमान में गुजरात में संचालित 36वें.नेशनल गेम्स 2022 में जिले से दो खिलाड़ी गोल्डी मिश्रा व अनु सिंह इंडियन राउंड तीरंदाजी प्रतियोगिता में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं।

घर की खराब माली के बावजूद बुलंदियों को छूआ

चंदनकियारी के ब्राह्मण टोला निवासी 17 वर्षीय गोल्डी मिश्रा के पिता दुलाल मिश्रा जेसीबी मशीन के ऑपरेटर का काम करते हैं। जबकि, मां रेखा देवी गृहिणी हैं। घर की माली हालत कमजोर होने के बावजूद उसके माता-पिता ने उसकी ख्वाहिशों को उड़ान दी। हर कदम पर उसका साथ दिया। उसे बचपन से ही तीरंदाजी से निशानेबाजी में रुचि थी। जब चंदनकियारी में आर्चरी का प्रशिक्षण केंद्र नहीं था, तब बांस का धनुष बनाकर वह निशाना साधने का अभ्यास किया करता था।

गुदगुदी

सोनू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था
आलू ले लो आलू ले लो...
राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है
सोनू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

चिंटू की भाभी काजू खा रही थीं। चिंटू प्यार से बोला- भाभी जी, जरा मुझे भी टेस्ट करा दो।
भाभी ने एक काजू चिंटू हाथ में रख दिया और बाकि खुद खाने लगीं।
चिंटू- बस एक ही काजू?
भाभी ने गुस्से में कहा- हां, बाकि सबका स्वाद भी ऐसा ही है।

पप्पू फिजिक्स का एग्जाम देने गया, पेपर में सवाल पूछा गया...
सवाल - कौन सा लिक्विड गर्म करने पर सॉलिड बन जाता है?
पप्पू का जवाब - बेसन के पकौड़े।

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-

प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर
DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रातः 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
जर्मन होमियो प्वाइंट, एफ/9, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बीएस सिटी
(सोमवार से शनिवार: संध्या 7.00-8.30), रविवार (संध्या 5.00-8.30)

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

स्वीट इंडिया... भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक व उपभोक्ता

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : देश में चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 के दौरान 5000 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख मीट्रिक टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से एथनॉल तैयार करने के लिए 35 लाख मीट्रिक टन चीनी का इस्तेमाल किया गया और चीनी मिलों द्वारा 359 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन किया गया। साथ ही, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभर कर सामने आया है। यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है। गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी सीजन के दौरान बनाए गए।

पीआईबी सूत्रों के अनुसार वर्तमान सीजन में आकर्षण का एक और केंद्र लगभग 109.8 लाख मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात है, वह भी बिना किसी वित्तीय सहायता के

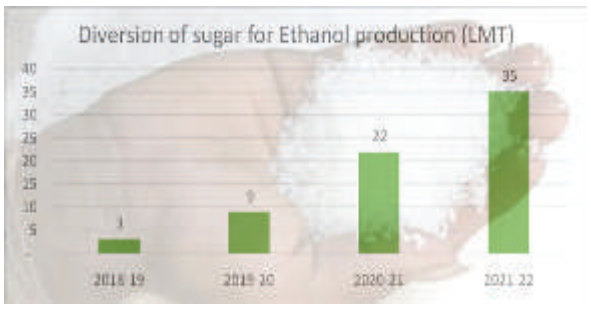

जिसे 2020-21 तक बढ़ाया जा रहा था। भारत सरकार की नीतियों और सहायक अंतरराष्ट्रीय कीमतों ने भारतीय चीनी उद्योग की इस उपलब्धि को हासिल करने में मुख्य भूमिका निभाई है। इन नियार्तों से देश के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है। भारत में चीनी उद्योग की सफलता की गाथा देश में व्यापार के लिए अत्यधिक सहायक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र निर्माण के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों, किसानों, चीनी मिलों, एथनॉल डिस्टिलरीज के समकालिक एवं सहयोगपूर्ण प्रयासों का ही परिणाम है। चीनी क्षेत्र को 2018-19 में वित्तीय संकट से बाहर निकालने से लेकर 2021-22 में आत्मनिर्भरता तक पहुंचाने और उत्पादन में वृद्धि के लिए कदम से कदम मिलाते हुए पिछले 5 वर्षों से समय-समय पर किया गया सरकारी हस्तक्षेप महत्वपूर्ण रहा है।

गन्ना सत्र 2021-22 के दौरान, चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की है और भारत सरकार द्वारा बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) लिए हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया है।

इसी प्रकार से, चीनी सत्र के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम हो गया है, जो यह दशार्ता है कि गन्ना बकाये में से 95% भुगतान पहले ही किया जा चुका है। यह भी उल्लेखनीय है कि गन्ना सत्र 2020-21 के लिए 99.9% से अधिक गन्ना का बकाया चुका दिया गया है।